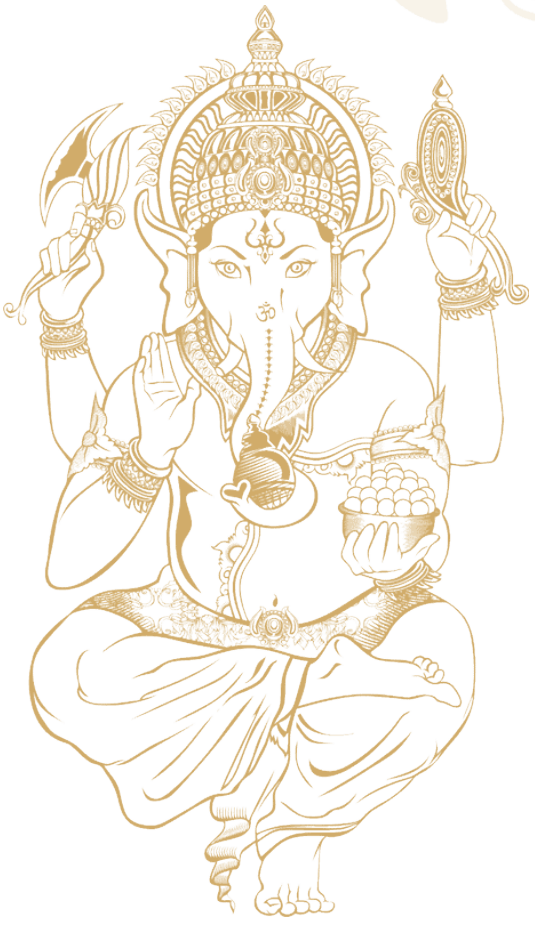

Divya ji

Mahi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121675902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/11/1975	जन्म तिथि	30-31/05/1995
मंगलवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 12:45:00	जन्म समय	01:00:00 घंटे
घटी 15:25:03	जन्म समय(घटी)	48:58:58 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Sagar
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	22:38:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	75:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:27:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:34:58	सूर्योदय	05:42:53
17:35:01	सूर्यास्त	19:06:54
23:31:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:43

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 6वर्ष 3मा 19दि		12:15:10	मक	लग्न	कुंभ	17:44:47	मंगल 3वर्ष 2मा 18दि	
शुक्र		17:43:25	तुला	सूर्य	वृष	15:07:40	गुरु	
22/02/2025		28:04:52	तुला	चंद्र	मिथु	00:32:18	17/08/2016	
22/02/2045		09:06:27	मिथु	मंगल	सिंह	08:34:12	17/08/2032	
शुक्र	23/06/2028	03:11:55	तुला	बुध व	वृष	23:06:20	गुरु	05/10/2018
सूर्य	24/06/2029	23:22:54	मीन व	गुरु व	वृश्चि	16:55:55	शनि	18/04/2021
चन्द्र	22/02/2031	01:11:21	कन्या	शुक्र	मेष	22:59:46	बुध	25/07/2023
मंगल	23/04/2032	09:20:57	कर्क	शनि	कुंभ	29:51:53	केतु	29/06/2024
राहु	24/04/2035	28:14:13	तुला व	राहु व	तुला	11:27:33	शुक्र	28/02/2027
गुरु	23/12/2037	28:14:13	मेष व	केतु व	मेष	11:27:33	सूर्य	18/12/2027
शनि	22/02/2041	09:49:40	तुला	हर्ष व	मक	06:25:05	चन्द्र	18/04/2029
बुध	24/12/2043	16:53:53	वृश्चि	नेप व	मक	01:28:30	मंगल	25/03/2030
केतु	22/02/2045	16:49:07	कन्या	प्लूटो व	वृश्चि	05:09:18	राहु	17/08/2032

लग्न-चलित

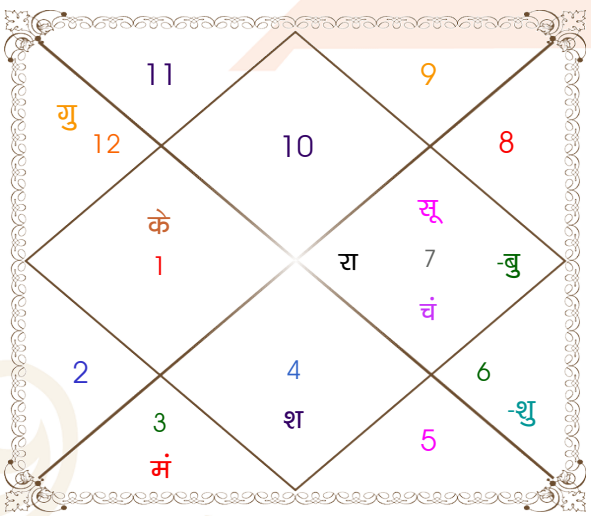

लग्न-चलित

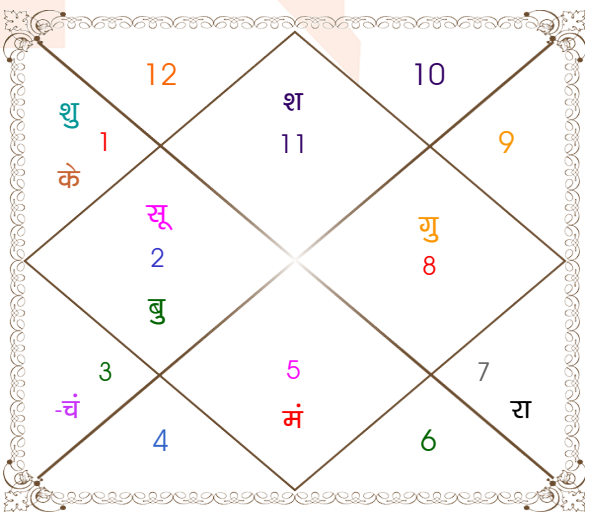

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

क्पअलं रप का वर्ग सर्प है तथा Mahi का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्पअलं रप और Mahi का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

क्पअलं रप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Mahi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि क्पअलं रप कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल क्पअलं रप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष

कट जाता है।

क्पअलं रप तथा Mahi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।